



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

*Handwritten signature and date: 2/2/86*

सं० 7] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 15, 1986 (माघ 26, 1907)  
No. 7] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 15, 1986 (MAGHA 26, 1907)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय सूची

	पृष्ठ		पृष्ठ
भाग I—खंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	143	भाग II—खंड 3—खंड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ सांसद क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों और सांख्यिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिस्से में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राष्ट्रपति के खंड 3 या खंड 4 में प्रकाशित होते हैं)	
भाग I—खंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की विमुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	181	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांख्यिक नियम और आदेश	
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	--	भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महाबोधा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासकों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	6927
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की विमुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	143	भाग III—खंड 2—रेवेन्यू कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	93
भाग II—खंड 1—अभिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन प्रथम द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	--
भाग II—खंड 1—क—अभिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खंड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांख्यिक विभागों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	179
भाग II—खंड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रकर समितियों के बिना तथा रिपोर्टें	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्ति और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	27
भाग II—खंड 3—खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ सांसद क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V—छंदेजी कीचि हिन्दी दोहों में अरम और पूरव के आकड़ों को लिखने वाला सम्पूर्ण	*
भाग II—खंड 3—खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ सांसद क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आदेश और अधिसूचनाएं	*		

\*पृष्ठ संख्या प्राप्ति की गई है।

## CONTENTS

	PAGES		PAGES
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	143	PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) on General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	181	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	6087
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	143	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	93
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	179
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	27
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

## भाग I—खण्ड 1 [PART I—SECTION 1]

**(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं**  
[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and the Supreme Court]

राष्ट्रपति मन्त्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी, 1986

सं० 8-प्रेज/86--राष्ट्रपति "विशेष सेवा मैडल" नामक मैडल संस्थापित करने हैं और इस निमित्त निम्नलिखित अध्यादेश बनाते और अन्वेषित एवं स्थापित करने हैं जो वर्ष एक हजार नौ सौ चौरासी के अग्रिम मास के पहले दिन से प्रभावी हुआ माना जाएगा।

प्रथम : यह मैडल "विशेष सेवा मैडल" कहलाएगा।

द्वितीय : यह मैडल अष्टभुजाकार होगा। यह ताम्र-निकल का बना होगा। इसका व्यास 35 मि० मी० होगा और इसे सादी समतल पट्टी पर मानक विधि में लगाया जाएगा। इसके अग्रभाग में बाज पक्षी का चिह्न उत्कीर्ण होगा और इसके पृष्ठ भाग पर राष्ट्रीय प्रतीक तथा उसका आदर्श वाक्य और "विशेष सेवा मैडल" उत्कीर्ण होगा।

तृतीय : यह मैडल रजसी रिबन से वक्षस्थल के बायाँ और पहना जाएगा। रिबन 32 मि० मी० चौड़ा होगा। यह रिबन 8 मि० मी०, 16 मि० मी० और 8 मि० मी० के तीन भागों में विभक्त होगा जिनका रंग क्रमशः लाल, सलेटी और लाल होगा।

चतुर्थ : यह मैडल मण्डल सेना कामियों द्वारा उनकी सक्रिय सेवा अर्थात् या उससे मिलती-जुलती सेवा अर्थात् के अन्तर्गत की गई सेवाओं के लिए प्रदान किया जाएगा। मैडल छोटी, अल्प अवधि की संक्रियाओं के लिए प्रदान किया जाएगा।

पंचम : जरा उपयुक्त होगा प्रत्येक संक्रिया के लिए राष्ट्रपति द्वारा एक क्लास संस्थापित किया जाएगा।

षष्ठ : जो व्यक्ति मैडल पाने का पात्र पहली बार बना है उसे यह मैडल एक क्लास के साथ प्रदान किया जाएगा। क्लास में उस विशिष्ट संक्रिया का उल्लेख होगा जिसके लिए यह क्लास प्रदान किया जा रहा है। इसके बाद उसे जिन मायकाओं के लिए क्लास मंजूर किया जाता है, उन सभी के लिए केवल क्लास ही प्रदान किया जाएगा जिसमें संबंधित विशिष्ट संक्रिया का उल्लेख होगा। क्लास के बारे में उस संक्रिया का नाम या स्थान उत्कीर्ण किया जाएगा।

सप्तम : ऐसे किसी क्षेत्र या समय-सीमा के भीतर किसी संक्रिया या नियमित क्षेत्र में, जिसे प्रत्येक संक्रिया के लिए अलग से निर्दिष्ट किया जाएगा, काम कर रहे निम्नलिखित वर्गों के कामिक यह मैडल प्रदान किए जाने के पात्र होंगे :—

(क) थल सेना, नौ सेना और वायु सेना तथा रिजर्व, प्रादेशिक सेना और मिलिशिया सेनाओं के सभी रैंकों के कामिक तथा जीवन के किसी भी क्षेत्र के मिलिशियन स्त्री-पुरुष।

(ख) नियमित मण्डल सेनाओं के संक्रियात्मक नियंत्रण में काम करने वाली अन्य सभी विधिवत गठित सेनाओं तथा सुरक्षा बलों के कामिक।

अष्टम : राष्ट्रपति किसी भी व्यक्ति को क्लास अवधि क्लासों सहित दिए गए मैडल को रद्द एवं निष्प्रभावी कर सकते हैं लेकिन वे बाद में क्लास अवधि क्लासों सहित उस मैडल को पुनः उस व्यक्ति को देने के लिए यत्न करेंगे।

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1986

सं० 9-प्रेज/86--राष्ट्रपति, "विशेष सेवा मैडल" संस्थापित करने से सम्बन्धित अध्यादेशों, जिन्हें दिनांक 29 जनवरी, 1986, की अधिसूचना सं० 8-प्रेज/86 में प्रकाशित किया गया है, के खंड पंचम के अनुसरण में 1984 में भारत-पाकिस्तान सीमा पर "मेचहूत" संक्रियाओं में भाग लेने वाले कामिकों की सेवा के अभिमानार्थ क्लास "सियाचिन ग्लेशियर" संस्थापित करते हैं जिसे "विशेष सेवा मैडल" के साथ पहना जाएगा।

2. क्लास के लिए अर्हक अर्थ और पात्रता

यह क्लास निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रदान किया जावेगा :

(क) थल सेना और वायुसेना के सभी रैंकों के वे कामिक जिन्होंने बिना फौजले एन जे 8888 मित्राला एन डी 7011 हविरा कोल का और गिजर की ओर से बेस कैम्प के उत्तर क्षेत्र को अपने अधिकार में बनाए रखने की आरम्भिक कार्रवाई में भाग लिया हो।

(ख) वे कामिक जो 12 अप्रैल से 18 अप्रैल 1984 की अवधि के दौरान बेस कैम्प एन०के० 1963 के उत्तर क्षेत्र में एक रात/दिन या उसके अंश के लिए इस क्षेत्र में व्यक्तिगत रूप में मौजूद रहे हों।

(ग) वे कामिक जो इस अर्हक क्षेत्र में कम से कम 14 दिन रहे हों। इस क्षेत्र में संक्रियाओं से बंदी बना लिए जाने के कारण बंदी के रूप में बीते समय को इस अर्हक अवधि में गिना जाएगा।

(घ) भारतीय वायुसेना/ए०ओ०पी० के वे सभी कामिक जिन्होंने इन संक्रियाओं के लिए कम से कम तीन संक्रियात्मक/अनुरक्षण उड़ानें भरी हैं।

(ङ) ऐसे सभी कामिक जिन्होंने बीरता पुरस्कार या विशेष नामोल्लेख पुरस्कार प्राप्त किए हो या जिनकी मृत्यु हो गई हो या कार्यवाही के दौरान घायल हुए हो या निशान हुए हों, भले ही वहां रुकने का समय कितना ही रहा हो।

(च) वे सभी सिविलियन कुली जो इस अर्हक क्षेत्र में कम से कम 14 दिन रहे हैं।

3. पुरस्कार के लिए अर्हक क्षेत्र

क्रिन्हु एन०जे० 9842-एन०जे० 9733-बरषी 3052 मोमोस्टिंग कांगडी एन०के० 5364-कडपा गोम्पो एन०के० 7110 को मिलाने वाली रेखा के उत्तर पश्चिम का क्षेत्र (देबिए--सीन/जम्मु तथा कश्मीर का नक्शा, पैमाना 1 : 2, 50,000, शीट नं० 52बी, 52ई और 52एफ)

मु० नीलकण्ठन, राष्ट्रपति का उप सचिव

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1986

आदेश

विषय:—ऑयल इंडिया लिमिटेड को अण्डमान अपनट में 10900 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की स्वीकृति।

सं० ओ०-12012/46/3 (ओ०एन०जी०डी० 4) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम 1959 के नियम 5 के उपनियम (1) की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एन०एन०एन०एन० लिमिटेड द्वारा लाइसेंस प्राप्त बिजिंग, 17, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली (जिसे इसके बाद आयल इंडिया लि० कहा जायेगा) को अण्डमान अपनट क्षेत्र में 10900 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलियम मिलने की संभावना हेतु एक पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस 1-3-86 से 4 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृति देती है।

इसके विवरण इसके बाद सलग अनुसूची "क" दिये गये हैं।

लाइसेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है:—

- (क) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संबंध में होगा।
- (ख) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई खनिज पदार्थ पाये गये तो आयल इंडिया लि० पूर्ण रूप से उसकी सृजना केन्द्रीय सरकार को देगा।
- (ग) स्वत्व शूल्क (रायल्टी) निम्नलिखित दरों पर ली जायेगी:
  - (1) समस्त अशोधित तेल तथा केमिंग हेड कंटेनमेंट पर 61 रुपये प्रति मी० टन या ऐसी दर जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।
  - (2) प्राकृतिक गैस के संबंध में ये दर केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होंगी।
  - (3) स्वत्व शूल्क (रायल्टी) की अदायगी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक मंत्रालय नई दिल्ली के बतन तथा लेखा अधिकारी को दी जायेगी।
- (घ) आयल इंडिया लि० लाइसेंस के अनुसरण में प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों में गत माह में प्राप्त समस्त अशोधित तेल की मात्रा, केमिंग हेड कंटेनमेंट और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उसका कुल उचित मूल्य वणिज वाला एक पत्र तथा उचित विवरण केन्द्रीय सरकार को भेजेगा। यह विवरण सलग अनुसूची "ख" में दिये गये प्रपत्र में भरकर देना होगा।
- (ङ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 11 की आवश्यकता के अनुसार आयल इंडिया लि० 87,200/- रुपये की धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा।
- (च) आयल इंडिया लि० प्रतिवर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शूल्क के संबंध में एक शूल्क का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ष किलोमीटर या उसके किसी अंश जिसका लाइसेंस में उल्लेख किया गया हो, निम्नलिखित दरों पर की जायेगी।
 

1. लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए	4 रु०
2. लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिए	20 रु०
3. लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए	100 रु०
4. लाइसेंस के अन्तर्ध्व वर्ष के लिए	200 रु०
5. लाइसेंस के तबीरीकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए	300 रु०

(छ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 11 के उपनियम (3) की आवश्यकतानुसार आयल इंडिया लिमिटेड को अन्वेषण लाइसेंस के किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतंत्रता सरकार को दो माह के नोटिस के बाद होगी।

(ज) केन्द्रीय सरकार की मांग पर उसको तत्काल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण के अन्तर्गत पाये गये समस्त खनिज पदार्थों के संबंध में भूवैज्ञानिक आंकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गुप्त रूप में देगा तथा हर छः महीने में निश्चित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिचालनों व्यय तथा अन्वेषण व्ययों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।

(झ) आयल इंडिया लि० समुद्र की तलहटी और/या उसके धरातल पर आग लगने संबंधी निवारक उपायों की व्यवस्था करेगा तथा आग बुझाने हेतु हर समय के लिए ऐसे उपकरण, सामान तथा साधन बनाये रखेगा और तीसरी पार्टी और/या सरकार को उसका मुआवजा देगा जितना कि आग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।

(ञ) इस अन्वेषण लाइसेंस पर तेल क्षेत्र (नियंत्रण और बिभास) अधिनियम, 1948 (1948 का 53) और पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के उपबंध लागू होंगे।

(ट) पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में आयोग केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक जैसा दस्तावेज भर कर देगा जो अपनटीय क्षेत्रों के लिए व्यवहार्य होगा।

(ठ) आयल इंडिया लि० द्वारा खुदाई/अन्वेषी आपरेणों/सर्वेक्षणों के दौरान एकत्र किये गये सभी मिट्टिकी मन्ही नमूने, धार और मुख्यीय आंकड़े सामान्य रूप से रखा मंत्रालय नौसेना मुख्यालय को प्रस्तुत करने चाहिये।

(ड) आयल इंडिया लिमिटेड समुद्री विज्ञान आंकड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

(ढ) सम्पूर्ण आंकड़े भारत में संकलित किये जाने हैं।

(ड़) इस क्षेत्र में आयल इंडिया लि० द्वारा एकत्र किये गये आंकड़ों की प्रतिया रखा मंत्रालय/मुख्य हाइड्रोग्राफर को नि:शुल्क उपलब्ध करायी जाती है।

(च) अगर शिदेशी जलपोत लगाये जाते हैं तो उनका नौसेना सुरक्षा निरीक्षण उनके लगाये जाने से पूर्व किया जाना होता है। भारत में ऐसे जलपोतों के आने के बारे में पर्याप्त नोटिस दिया जाना चाहिए, जिससे निरीक्षण दल की प्रतिनियुक्ति हो सके।

(छ) सभी भवितव्यकारी योजना बनाने की सुविधा के लिए सर्वेक्षण आरम्भ करने/समाप्त करने की तिथि बतायी जाए।

## अनुबन्ध (क)

क्षेत्र निर्धारित करने वाले पाइन्टों के बीच दूरी

अपेक्षित पी० ई० एल० क्षेत्र

(क) क्षेत्र :

पाइन्टों से घिरा हुआ क्षेत्र

ए बी सी डी ई एक जी एच आई जे

(पश्चिमी तट दूर क्षेत्र) .

8,100 वर्ग किलोमीटर

पाइन्टों से घिरा हुआ क्षेत्र

जे के एल एम एन ओ (पूर्वी तट दूर क्षेत्र) :

2,800 वर्ग किलोमीटर

कुल क्षेत्र :

10,900 वर्ग किलोमीटर

लाइन

लम्बाई

(किलोमीटर)

कख

61.5

खग

15.5

गघ

71.5

घङ

53.0

ङच\*

62.0

चछ\*

5.0

छज\*

65.0

जझ

36.0

झव

61.0

वट\*

2.5

टठ\*

20.0

ठड\*

27.0

डङ

77.5

ङण

34.0

(ख) क्षेत्र निर्धारित करने वाले पाइन्टों के विवरण

पाइन्ट	अक्षांश	रेखांश
क	13° 48' 10" एन	92° 34' 25" ई
ख	13° 21' 05" एन	92° 13' 55" ई
ग	12° 56' 03" एन	92° 16' 40" ई
घ	12° 17' 33" एन	92° 11' 40" ई
ङ	12° 17' 33" एन	92° 41' 40" ई
च	12° 51' 40" एन	92° 46' 35" ई
छ	12° 53' 20" एन	92° 46' 06" ई
ज	13° 29' 26" एन	92° 53' 53" ई
झ	13° 18' 55" एन	92° 55' 00" ई
ञ	13° 25' 30" एन	93° 00' 35" ई
ट	12° 53' 20" एन	92° 51' 40" ई
ठ	12° 52' 30" एन	92° 52' 15" ई
ड	12° 41' 10" एन	92° 56' 50" ई
ढ	12° 41' 40" एन	93° 18' 20" ई
ण	13° 25' 33" एन	93° 19' 25" ई

नोट :--\*प्रस्तावित पी० ई० एल० की सीमा तट के साथ साथ है।

नवापि तट के पाइन्टों के बीच की दूरी का माप सीधे तौर पर से किया गया है।

\*\*पी० ई० एल० क्षेत्र की उत्तरी सीमा अर्थात् लाइन आई० ए० की स्थिति भारत और बर्मा के बीच की अन्तर्राष्ट्रीय सीमा की वास्तविक स्थिति पर निर्भर करेगी।

## अनुसूची--"ख"

अशोधित तेल, केमिंग कन्वेंसिट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा

उभके मुख्य सहित मामिक वितरण के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस।

क्षेत्रफल

वर्ग किलोमीटर।

माह तथा वर्ष

## क--अशोधित तेल

कुल प्राप्त किलोमीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लीटाये पी० टनों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किए गए पी० टनों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त पी० टनों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

## ख--केमिंग हैट कन्वेंसिट

प्राप्त किए गए कुल पी० टनों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लीटाये पी० टनों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किए गए पी० टनों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त पी० टनों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

## ग—प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त घन टन मीटरों की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये गये घन प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गए घन मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पैट्रोलेियम इन्वेष्टिगेशन कार्य हेतु प्रयोग किए गए घन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को बढ़ाकर प्राप्त घन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद्वारा मैं, श्री—सत्य निष्ठापूर्वक बोधना एवं पुष्टि करता हूँ कि इस विवरण में दी गई सूचना पूर्ण रूपेण सत्य और सही है, उसे सही समझते हुए मैं शुद्ध घनत्वकरण से सत्यनिष्ठा से यह बोधना करना हूँ।

हस्ताक्षर—

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से और नाम पर  
पी० के० राजगोपालन, डेस्क अधिकारी

## अम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1986

सं० ब्यू-16012/1/86-इम्पू० ई० (एन० एल० आई०)—  
राष्ट्रीय अम संस्थान के जो सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (पंजाब संशोधन अधिनियम, 1957) के अन्तर्गत पंजीकृत सोसाइटी है, नियम

और विनियमों के नियम IX (1) (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, अम मंत्रालय, नई दिल्ली के सचिव, श्री एन० एम० एम० भटनागर को राष्ट्रीय अम संस्थान की पुनर्गठन कार्यकारी परिषद् का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

ए० के० भट्टराई, सचिव सचिन

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 29th January 1986

No. 8-Pres/86.—The President is pleased to institute an award to be designated the "SPECIAL SERVICE MEDAL", and to make, ordain and establish the following ordinances which shall be deemed to have effect from the first day of April in the year one thousand nine hundred and eighty four :—

Firstly : The medal shall be styled and designated the "SPECIAL SERVICE MEDAL".

Secondly : The medal shall be octagonal in shape, made of cupro-nickel, 35 millimetres in diameter and fitted to a plain horizontal bar with the standard fitting. It shall have the symbol of bird 'FALCON' inscribed on its obverse, and State Emblem with its motto and the inscription "SPECIAL SERVICE MEDAL" on the reverse.

Thirdly : The medal shall be worn suspended from the left breast by a silk ribbon which shall be 32 millimetres in width. The ribbon shall be divided in three parts with 8 mm, 16 mm and 8 mm, of red colour, steel grey and red respectively.

Fourthly : The medal shall be awarded for services rendered, by the Armed Forces personnel under active service conditions or conditions akin thereto. The medal shall be awarded for minor, short duration operations.

Fifthly : Where appropriate, a Clasp for each operation shall be instituted by the President.

Sixthly : An individual qualifying for the Medal for the first time shall be awarded the medal together with a Clasp indicating the particular operation for which it is awarded. For all subsequent operations for which the issue of a Clasp is approved, only the Clasp indicating the particular operation shall be awarded. The bar of the Clasp shall have the Name or the place of the Operation engraved on it.

Seventhly : The following categories of personnel serving in an Operation or Concessional area within the territorial or time limits to be specified separately for each Operation shall be eligible for the award :—

- All ranks of the Army, Navy and Air Force, and of the Reserve, Territorial and Militia Forces, and Civilians of either sex in all walks of life.
- All other lawfully constituted forces and security forces operating under the Operational control of the Regular Armed Forces.

Eighthly : The President may cancel and annul the award of the Medal with a Clasp or Clasps to any person but it

shall be competent for him to restore subsequently the Medal, with a Clasp or Clasps.

The 3rd February 1986

No. 9-Pres 86.—In pursuance of clause fifthly of the Ordinances Instituting the "SPECIAL SERVICE MEDAL", published in Notification No. 8-Pres/86, dated 29th January, 1986, the President is pleased to institute a clasp "SIACHEN GLACIER" to be worn with the "SPECIAL SERVICE MEDAL" for recognition of service of personnel who took part in MEGHDOOT operations of 1984 on Indo-Pak border.

## 2. Qualifying conditions and personnel eligible

The Clasp will be admissible to :—

- Personnel of all ranks of the Army and the IAF who took part in the initial action to secure Bila Fondle NJ 8888 Siala ND 7011 India Col and area North of Base Camp, through Vertical envelopment.
- Personnel physically present in the area for a night/day or part of it in area North of the Base Camp, NK 1963 during the period 12th April to 18th April, 1984.
- Personnel with a minimum stay or 14 days in the qualifying area. The time spent in captivity, in consequence of capture in operations in the area will count towards the qualifying period.
- All the IAF/AOP personnel who have flown at least three operational/maintenance sorties in support of the Operations.
- All personnel who have earned gallantry award or Mention-in-Despatches or died or sustained wounds or were disabled during the action irrespective of the time limit of stay.
- All civilian porters who have spent a minimum of 14 days in the qualifying area.

## 3. Qualifying areas for the award

Area North West of line joining Pt NJ 9842—NJ 9733—Warshi 3052—Momosting Kangri NK 5364—Kadpa Ngongpo NK 7110 (Refers to Maps China/Jammu and Kashmir, Scale 1 : 2, 50,000, sheets No. 52B, 52E and 52F).

S. NILAKANTAN, Dy. Secy. to the President.

## MINISTRY OF PETROLEUM &amp; NATURAL GAS

New Delhi, the 24th January 1986

## ORDER

SUBJECT :—*Grant of Petroleum Exploration Licence for Andaman Offshore area measuring 10900 sq. kms. to Oil India Ltd.*

No. O-12012/46/84-ONGD4.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of sub-rule (i) of rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil India Limited, Allahabad Bank Building, 17, Parliament Street, New Delhi (hereinafter referred to as Oil India Limited), a Petroleum Exploration Licence to Prospect for Petroleum four years from 1-3-86 for Andaman Offshore area measuring 10900 sq. kms. the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The Grant of Licence is subject to the terms and conditions mentioned below :—

- (a) The exploration Licence should be in respect of Petroleum.
- (b) If any minerals are found during the exploration work, the OIL should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.
- (c) Royalty at the rates mentioned below shall be charged.

(i) Rs. 61/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing head condensate.

(ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay and Accounts officer, Ministry of Petroleum and Natural Gas, New Delhi.

- (d) The OIL shall, within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.

- (e) The OIL shall deposit a sum of Rs. 87,200/- as security as required by rule 11 of the PNG Rules, 1959.

- (f) The OIL shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square kilometre or part thereof covered by the licence.

(i) Rs. 4/- for the first year of the licence;

(ii) Rs. 20/- for the second year of the licence;

(iii) Rs. 100/- for the third year of the licence;

(iv) Rs. 200/- for the fourth year of the licence;

(v) Rs. 300/- for the first and second year of renewal.

- (g) The OIL shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two month notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.

- (h) The OIL shall immediately on demand submit to Central Government confidentially a full report of the geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.

- (i) The OIL shall take preventive measures against the hazard of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.

- (j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.

- (k) The OIL shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.

- (l) The OIL should render, Bathymetric, bottom samples, current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey to Ministry of Defence Naval Headquarters in the usual manner.

- (m) OIL ensure security of Oceanographic data.

- (n) The entire data is processed in India.

- (o) Copies of the data collected by OIL : in this area is made available *free of cost* to Ministry of Defence/Chief Hydrographer.

- (p) Foreign Vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspections by a team of Indian Navy Specialists officers prior to deployment. Adequate notice about the arrival of such vessel in India is to be given to facilitate deputation of the Inspection team.

- (q) The date of commencement/cessation of survey be intimated to Ministry of Defence to facilitate future operational planning.

## ANNEXURE-A

## ANDAMAN P.E.L. AREA

## (A) AREA:

## AREA BOUNDED BY POINTS

A B C D E F G H I (West Coast offshore): 8,100 sq. kms.

## AREA BOUNDED BY POINTS

J K L M N O (East Coast offshore): 2,800 sq. kms.

TOTAL AREA: 10,900 sq. kms.

## (B) COORDINATE OF POINTS DEFINING AREA :

Point	Latitude			Longitude		
A	13°	48'	40" N	92°	34'	25" E
B	13°	21'	05" N	92°	13'	55" E
C	12°	56'	05" N	92°	16'	40" E
D	12°	17'	33" N	92°	11'	40" E
E	12°	17'	33" N	92°	41'	40" E
F	12°	51'	40" N	92°	46'	35" E
G	12°	53'	20" N	92°	46'	06" E
H	13°	29'	26" N	92°	53'	53" E
I	13°	48'	55" N	92°	55'	00" E
J	13°	25'	30" N	93°	00'	35" E
K	12°	53'	20" N	92°	51'	40" E
L	12°	52'	30" N	92°	52'	45" E
M	12°	41'	40" N	92°	56'	50" E
N	12°	41'	40" N	93°	18'	20" E
O	13°	25'	33" N	93°	19'	25" E

## DISTANCE BETWEEN POINTS DEFINING AREA

Line	Length (kms)
AB	61.5
BC	45.5
CD	71.5
DE	53.0
EF*	62.0
FG*	5.0
GH*	63.0
HI	36.0
IA	36.5
JK*	61.0
KL*	2.5
LM*	20.0
MN	27.0
NO	77.5
OO	34.0

Note: \*Boundary of proposed PEL follows the coast. However, distance between points on the coast have been measured as the crow flies.

\*\*Northern boundary of PEL area, i.e. the position of line IA, will depend on actual position of International boundary between India and Burma.

## SCHEDULE 'B'

## MONTHLY RETURN OF CRUDE OIL, CASING-HEAD CONDENSATE AND NATURAL GAS PRODUCED AND VALUE THEREOF

## PETROLEUM EXPLORATION LICENCE FOR

Area

Month and Year

## A—Crude Oil

Total No. of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

## B—Casing head condensate

Total No. of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

## C—Natural Gas

Total number of cubic metres obtained	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	Number of cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	Number of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri—do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this solemn declaration conscientiously believing the same to be true.

(Signature)

By order in the name of the President of India.

P. K. RAJAGOPALAN, Desk Officer

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 21st January 1986

No. Q-16012/1/86-WE(NLI).—In pursuance of Rule IX(i)(a) of the Rules and Regulations of the National Labour Institute, a Society registered under the Societies Registration Act, 1860 (Punjab Amendment Act, 1957), the Cen-

tral Government hereby appoints Shri H.M.S. Bhatnagar, Secretary, Ministry of Labour, New Delhi as the Chairman of the reconstituted Executive Council of National Labour Institute w.e.f. 19-12-1985.

A. K. BHATTARAI, Under Secy.